

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर . 2021

एम.एस.के.-02 : व्याकरण

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

निर्देश : इस प्रश्न-पत्र में कल 10 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।

1. 'रामाणाम' पद की सत्रोल्लेखपर्वक सिद्धि-प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'प्रथमयोः पर्व सवर्णः' सत्र की उदाहरण सहित व्याख्या और 'हरिणा' पद की सम्बद्ध सत्रोल्लेखपर्वक सिद्धि-प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

2. 'रमा' शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए और 'मति' शब्द के समान रूप चलने वाले किन्हीं पाँच ह्रस्व इकारान्त, स्त्रीलिङ्ग शब्दों का उल्लेख कीजिए। 10

अथवा

'ज्ञान' शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए और 'साध' शब्द के समान रूप चलने वाले किन्हीं पाँच ह्रस्व उकारान्त पुल्लिङ्ग शब्दों का उल्लेख कीजिए।

3. 'कर्तरीप्सिततमं कर्म' सत्र की सोदाहरण व्याख्या प्रस्तुत कीजिए। 10

अथवा

'सप्तम्यधिकरणे च' सत्र के पदच्छेद और विभक्तियों का उल्लेख करते हुए उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

4. 'ब्रजम अवरुणद्धि गाम' यहाँ रेखाङ्कित पद में प्रयुक्त विभक्ति के विधायक सत्र का उल्लेख करते हुए उक्त उदाहरण वाक्य को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

‘हरये रोचते भक्तिः’ इस प्रयोग की सत्रोल्लेखपर्वक सिद्धि करते हुए कारक स्पष्ट कीजिए।

5. (क) ‘भवानि’ अथवा ‘भविता’ की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सत्रोल्लेखपर्वक स्पष्ट कीजिए। 5
- (ख) ‘परोक्षे लिट’ अथवा ‘तिङ्शितसार्वधातकम्’ सत्र के अर्थ को स्पष्ट कीजिए। 5
6. (क) ‘लोट च’ अथवा ‘सार्वधातकार्धधातकयोः’ सत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 5
- (ख) ‘अभत’ अथवा ‘भविष्यति’ की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सत्रों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। 5
7. (क) ‘लिटस्तद्गयोरेशिरेच’ अथवा ‘आतोङितः’ सत्र की व्याख्या कीजिए। 5

(ख) ‘एधते’ अथवा ‘एधाञ्चक्रे’ की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सत्रों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। 5

8. (क) ‘तत्प्रयोजको हेतश्च’ अथवा ‘धातोः कर्मणः समान कर्तकादिच्छायां वा’ की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 5
- (ख) ‘भावयति’ अथवा ‘पिपठिषति’ की सिद्धि-प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। 5
9. ‘शत’ और ‘शानच’ प्रत्ययों पर उदाहरण के साथ विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 10
10. ‘मतप’ प्रत्यय के अर्थ में आने वाले किन्हीं तीन प्रत्ययों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 10